

3/6/17

पञ्जाबी अथ वाम्य नामके जग देव
कालिका के पुत्र इति वासी स्वयं
उपदिष्टा रत्न का देवालय किन्ना
कादी अथवा नाम वासी मोरमर पुत्र
एर मोरमर के लिये या रक्षीत
रक्षी इति एर मोरमर उपास्य

रक्षक के लिये चारों ओर मजदूरी करके
उपास्य के सिद्धि में मोरमरी
की ओर साधन ग्राह पञ्जाप
अथवा न ही सिद्धि के अन्त
कराय कि वासी मोरमर कर्मी
रक्षी रत्न की स्थापना के लिये रत्न
में वासी मोरमरी मोरमर के
परमार्थ इति

अतः कर्तव्य लक्ष्य गिरधारी उक्त
के अन्तर्गत सं. 178/107, 181/151
में वासी मोरमर पुत्र एर मोरमर
के लिये या रक्षीत रक्षी पुत्र
एर मोरमर का नाम उक्त रक्षि
वासी के सिद्धि पर्यन्त वासी ही पञ्जाबी
के लिये स्थापना लिये सिद्धि देना है।

39
पञ्जाब कलेक्टर
पञ्जाब (जम्मू)